राजीविका

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

सशक्तिकरण की राह पर चले हर परिवार

मुश्किल है राह पर हौसले हैं बुलंद!

लॉकडाउन खुलने के साथ ही अब राजीविका के स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पुनः आजीविका गतिविधियों में जुट गई हैं। समूह की महिलाएं कोविड–19 बीमारी से बचाव के लिए सभी आवश्यक सावधानियों का पालन कर रही हैं।

आजीविका गतिविधि के दौरान सोशल डिस्टैसिंग का पालन कर रही हैं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

डिजी–पे प्रशिक्षण प्राप्त करती महिलाएं

पशुधन आजीविका से सम्बंधित गतिविधियां

पोल्ट्री विलेज प्रोग्राम (PVP)

आर्थिक रूप से कमजोर एसएचजी सदस्यों की अतिरिक्त आय के लिए राजीविका द्वारा एसएचजी सदस्यों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री विलेज प्रोग्राम (PVP) लागू किया जा रहा है। अब तक पोल्ट्री विलेज प्रोग्राम के तहत 1796 परिवार लाभान्वित हुए हैं, जिन्हें 48,501 कड़कनाथ, प्रतापधन नस्ल के चूजे प्रदान किए गए हैं। इस आजीविका कार्यक्रम की सफलता और प्रगति को देखते हुए, राजीविका वर्ष 2020–21 में राजस्थान में 1 लाख परिवारों के साथ पोल्ट्री गांव कार्यक्रम लागू करने जा रही है और इसी क्रम में राजीविका एसएचजी सदस्यों के साथ प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। स्वयं सहायता समूह के सदस्य अब स्वयं आगे बढ़कर एसएचजी से ऋण ले रहे हैं और पोल्ट्री विलेज प्रोग्राम का हिस्सा बन रहे हैं।

इन्नोवेटिव पोल्ट्री प्रोडक्टिविटी प्रोजेक्ट

बेगू। क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में महिला समूहों द्वारा किया जा रहा मुर्गी पालन।

महिलाओं की आजीविका संचालन का जरिया बन रहा मुर्गी पालन

मुर्गीपालन कर आत्मनिर्भर बनी ग्रामीण महिलाएं

ग्रामीणों में मुर्गीपालन बना आय का जरिया

आईपीपीपी को राजस्थान के तीन जिलों क्रमशः राजसमंद, डूंगरपुर और उदयपुर में लागू किया जा रहा है। आईपीपीपी गतिविधि के दो प्रकार हैं, प्रथम है आईपीपीपी ब्रायलर और दूसरी है आईपीपीपी एलआईटी है। आईपीपीपी ब्रायलर को राजसमंद जिले में और आईपीपीपी एलआईटी को डूंगरपुर और उदयपुर जिले में लागू किया जा रहा है।

आईपीपीपी ब्रायलर के तहत 200 लाभार्थियों की पहचान की गई है, जिनके यहाँ पोल्ट्री शेड का निर्माण किया गया है। इन 200 परिवारों को ब्रॉयलर के 90,000 चूजे प्रदान किये गए हैं और पक्षियों की बिक्री से इन परिवारों को अब तक 55,25,282 रु की आय हुई है। आईपीपीपी एलआईटी के तहत डूंगरपुर और उदयपुर जिले में 103 पोल्ट्री शेड का निर्माण किया गया है।

NRETP
राष्ट्रीय ग्रामीण आर्थिक परिवर्तन परियोजना

बकरों का विपणन (बक मार्केटिंग)

एनआरईटीपी (NRETP) के तहत, उत्पादक समूह के माध्यम से बक मार्केटिंग की जा रही है। बकरों /बकरियों की बिक्री उनके वास्तविक वजन के अनुसार की जा रही है। अब तक 196 बकरों / बकरियों की बिक्री हुई है और इससे 9,68,205 रु की राशि अर्जित की गई है।

पशुपालन के क्षेत्र में भी राजीविका ने शुरू की गतिविधियां

वित पोषित महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना

खटीक बने गंगरार नगर अध्यक्ष

एक बेहतर भविष्य की आशा

बांसवाड़ा जिले के आनंदपुरी ब्लॉक की एसएचजी महिलाओं ने सिरोही नस्ल के बकरों और राजसमंद जिले के देवगढ़ ब्लॉक की बकरियों की खरीद की है। यह खरीद उन्होंने एनआरईटीपी के तहत निर्मित उत्पादक समूह से की है।

पशुधन खरीदने के लिए एसएचजी महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह से ऋण लिया। उनका लक्ष्य पशुओं की नस्ल में सुधार करना और आय में वृद्धि करना है। सीएलएफ और उत्पादक समूह की आय भी इससे बढ़ी है और यह उनके लिए लाभदायक गतिविधि सिद्ध हो रही है। एसएचजी सदस्य महिलाओं ने कुल 43 पशु खरीदे जिनमें 16 बकरियां और 27 बकरे शामिल हैं। इसमें कुल 195923 रु की राशि लगी।

बांसवाड़ा और राजसमंद ब्लॉक, सीएलएफ, जिले और एसपीएमयू लाइवस्टॉक टीम ने एनआरईटीपी परियोजना के तहत जीवित पशुधन के विपणन का बेहतरीन कार्य किया है। उनकी सफलता, उनके मजबूत इरादों, उत्कृष्ट प्रदर्शन और कार्य क्षमता का जीवंत उदाहरण है।

उपलब्धियां

राजीविका प्रगति (अप्रैल- जून 2020)

क्रमांक	गतिविधियां	मार्च 2020 तक हुई प्रगति	लक्ष्य 2020–21	प्रगति अप्रैल –जून 2020	प्रतिशत %	संचयी प्रगति
1	शामिल हुए ब्लॉक्स की संख्या	295	0	0	–	295
2	शामिल हुए गांवों की संख्या	21872	3432	0	–	22101
3	एसएचजी का गठन	174966	20000	1881	9	176847
4	परिवारों की संख्या	2033822	215116	20691	10	2054513
5	एसएचजी बचत खाते खोले गए	140834	45000	4688	10	145072
6	ग्राम संगठन का गठन	12334	3500	85	2	12419
7	सीएलएफ का गठन	429	40	5	13	434
8	रिवाल्विंग फंड प्रदान किया गया	114587	27000	12036	45	126623
9	सीआईएफ प्रदान किया गया	79030	10700	2823	36	82853
10	एसएचजी क्रेडिट लिंकेज (प्रथम)	66550	67470	3823	5	68359
11	एसएचजी क्रेडिट लिंकेज (पुनः)	29993		1323	5	31316
12	एनआरएलएम पोर्टल के अनुसार क्रेडिट लिंकेज		67470	5997	9	
13	जून 2020 तक कुल खर्च	508	220.31	48.89	22	557

सशक्तिकरण की राह पर चले हर परिवार

राजीविका

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्